



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 342] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 25, 1986/भाद्र 3, 1908
No. 342] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 25, 1986/BHADRA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1986

अधिसूचना

का.प्रा.502(घ):—तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) अधिनियम 1948 (1948 का 53)
की धारा 6(क) की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-
द्वारा 1 अप्रैल, 1984 से खनिज तेलों अर्थात् खनिज तेल और केसिंग-हैब कंटेनेट पर रायल्टी की दर
में वृद्धि करती है और तदनुसार उक्त अधिनियम की अनुसूची में आगे निम्नलिखित संशोधन करती
है, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम की अनुसूची की सब संख्या 1 और 2 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों के
लिए निम्नलिखित मर्दे और प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायें और इन प्रविष्टियों को

1 अप्रैल, 1984 से प्रतिस्थापित किया हुआ समझा जाये, अर्थात् :—

1. खनिज तेल : एक सौ बानबे रुपये प्रति मी० टन
2. कैसिंग हेड कंडेसेट : एक सौ बानबे रुपये प्रति मी. टन

[सं.ओ-12014/2/84-ओ.एन.जी. डी. 4]

बी.एस.लाम्बा, संयुक्त सचिव

नोट :—तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) संशोधन अधिनियम 1984 के अनुसार, खनिज तेल पर रायल्टी की दर में 1-4-84 के बाद किसी भी समय संशोधन किया जा सकता था। कई बार को संबंधित राज्य सरकारों के साथ परामर्श करके निर्दिष्ट किया गया है। चूंकि परामर्श करने में कुछ समय लग गया था, अतः रायल्टी की दर में भूलसही प्रभावी तारीख से संशोधन करना आवश्यक हो गया है। तेल उत्पादक राज्यों को लाभ हो रहा है और अन्य राज्यों पर इसके प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 25th August, 1986

NOTIFICATION

S.O. 502 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6A of the Oilfields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948), the Central Government hereby enhances, with effect from the 1st day of April, 1984, the rate at which royalty shall be payable in respect of the mineral oils, namely, crude oil and casing-head condensate; and accordingly makes the following further amendment in the Schedule to the said Act, namely :—

In the Schedule to the said Act, for items 1 and 2 and the entries relating thereto, the following items and entries shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of April, 1984, namely :—

- “1. Crude Oil : Rupees one hundred and ninetytwo per metric tonne.
2. Casing-head condensate : Rupees one hundred and ninety-two per metric tonne.”

[No. O-12014/2/84-ONG D 4]

B. S. LAMBA, Jt. Secy.

NOTE :—According to the Oilfield (Regulation and Development) Amendment Act, 1984, the rate of royalty on crude oil could be revised anytime after 1-4-84. The new rate has been decided after consulting the concerned State Governments. Since consultations took some time, it has become necessary to revise the rate of royalty with retrospective effect. The oil producing States stand to benefit and the other States are not likely to be adversely affected.